

अमर उजाला

रूपायन

शुक्रवार ■ 09 सितंबर 2022

कितनी
बदली
गृहिणियों की

हिंदी

अंदर के पन्नों में

वास्तु। सौंदर्य। सेहत। फूड कॉर्नर। कॉफी टेबल। टैरो कार्ड



घर किराए का हो या अपना उसे भरपूर प्यार दें

अपने घर में वास्तु दोषों को दूर करना आसान हो सकता है, लेकिन किराए के घर में यह सहूलियत नहीं मिल पाती। इसलिए किराए पर घर लेते समय वास्तु नियमों का ध्यान रखना जरूरी है।



डॉ. रश्मि जैन

वास्तु विशेषज्ञ

वास्तु का उद्देश्य ही यह है कि भवन का प्रत्येक कक्ष अपनी विशेषता को सक्रिय कर दे। गृहपति मुख्य द्वार से गृह में प्रवेश करे तो उसकी सारी चिंता और तनाव दूर हो जाएं। शयन कक्ष में जाए तो गहरी निद्रा का आनंद मिले, भोजन करे तो भोजन का रस ले सके और भोजन उसके लिए सुपाच्य हो तथा

पूजा-गृह में देव आराधना में मग्न हो सके।

आजकल तमाम लोग आय के स्रोत तलाशने के लिए गृह नगर से महानगर या शहर में आते हैं और फिर वहीं के होकर रह जाते हैं। उनकी आवासीय समस्या के समाधान के लिए बहुमंजिला आवासीय फ्लैट्स निर्माण का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। हालांकि वास्तुशास्त्र के सभी नियमों का पालन इस प्रकार के निर्माण में संभव नहीं है, लेकिन यदि कुछ वास्तु नियमों को आधार माना जाए तो देश, काल और परिस्थितियों के साथ सामंजस्य स्थापित कर वास्तु सम्मत फ्लैट या भवन का चयन किराए के लिए अथवा खरीदते समय किया जा सकता है।

ध्यान रखें कुछ नियम

- किराए के लिए फ्लैट अथवा भवन का चयन करते समय आस-पास के वातावरण का विचार अवश्य कर लें। आस-पास कोई विशाल नाला या श्मशान भूमि हो तो ऐसे भवन या इमारत में किराए पर या मकान खरीदने का विचार त्याग दें। वास्तुशास्त्र ऐसे मकानों को रहने के लिए सही नहीं मानता है।
- इस बात का ध्यान रखें कि मकान में प्राकृतिक रोशनी और ऊर्जा का संचालन सही प्रकार से हो। सुनिश्चित करें कि मुख्य द्वार यदि इच्छित दिशा में नहीं है तो खिड़कियां या बालकनी उत्तर या पूर्व दिशा में अवश्य हों।
- मुख्य द्वार के सामने अंधेरा न हो। यदि उचित प्राकृतिक रोशनी संभव नहीं है तो इस कमी को कृत्रिम रोशनी द्वारा पूरा अवश्य करें।
- द्वार के ऊपर कोई मांगलिक चिह्न, जैसे कि मंगल कलश, शुभ बंदरवार अवश्य लगाएं। इनमें नकारात्मक ऊर्जा को नियंत्रित कर शुभ ऊर्जा बढ़ाने की अद्भुत क्षमता होती है।
- ध्यान रखें कि घर के ईशान कोण (उत्तर और पूर्व के बीच की दिशा) में टॉयलेट न हो।
- घर के ब्रह्म स्थान यानी एकदम मध्य भाग में टॉयलेट या पिलर भी महादोष की श्रेणी में आता है, इसलिए ऐसा मकान भी किराए या खरीदने पर विचार न करें।
- घर में जहां भी वॉशरूम होते हैं, वहां की सकारात्मक ऊर्जा को कम कर देते हैं। इसे नियंत्रित करने के लिए जहां तक संभव हो, वॉशरूम (बाथरूम+टॉयलेट) को साफ-सुथरा, सूखा और दुर्गंध मुक्त रखें। लेमन ग्रास ऑयल का उपयोग सुगंध और सफाई करते समय अवश्य करें।
- घर का कूड़ा-कचरा राहू से नियंत्रित होता है। राहू को सकारात्मक रखने के लिए घर में साफ-सफाई का ध्यान रखें। गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करके सफाई कर्मी को सौंपने से भी राहू से संबंधित दोषों का शमन होता है और पृथ्वी तत्व मजबूत होता है।
- घर की बालकनी किसी भी दिशा में हो, उसमें छोटे-छोटे पौधे हमेशा सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखते हैं। पौधे हरे-भरे और मिट्टी के गमले में लगाएं। ध्यान रखें कि गमले टूटे-फूटे न हों और पौधे पानी की कमी से सूखें नहीं। यदि किसी कारणवश सूखकर खराब हो जाएं तो उन्हें हटाकर नया पौधा लगा दें।
- घर किराए का हो या अपना, वो वास्तु सम्मत बना हो या उसमें कुछ कमियां हों, तब भी उसको हमेशा सकारात्मक ऊर्जा दें। जो घर आपको आश्रय दे रहा है, रहने के लिए छत दे रहा है, उसे इसके लिए सम्मान दें, धन्यवाद दें, प्यार दें, उसे साफ-सुथरा, व्यवस्थित और सुगंधित रखें। याद रखें, आप जो विचार, ऊर्जा अपने आस-पास के वातावरण को देती हैं, वो जाने-अनजाने आपको वापस मिलती है या प्रभावित करती है।

वास्तु का आधार भूमि है और यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं है कि वास्तुशास्त्र में दिशा सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। वास्तु शास्त्रीय सूत्र दिशाओं को व्यवस्थित कर आकाश, वायु अग्नि, जल और भूमि तत्वों का नियमन करके मानव को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से दुष्परिणामों से बचाते हैं। पंच तत्वों के संतुलित होने पर भवन सुखमय बनता है। आवासीय वास्तु प्रकृति और मानव में मैत्री स्थापित करता है तथा भौतिक व आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करता है। जीवन को नित्य नए दबाव, तनाव, झुकाव और बाधाओं से मुक्ति प्रदान करता है।